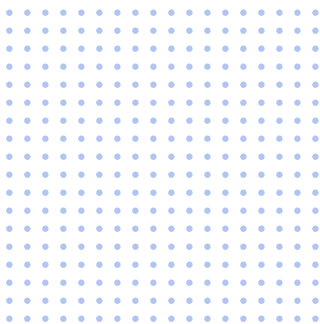




FOR RAJASTHAN CLASS 10 PREPARATION

# Rajasthan Board 10th Model Paper 2027 Punjabi

| EXAM               | YEAR | TYPE         | SUBJECT |
|--------------------|------|--------------|---------|
| Rajasthan Class 10 | 2027 | Sample Paper | Punjabi |

उच्च माध्यमिक स्तर प्रस्तावित प्रश्न-पत्र प्रारूप (Design) सत्र 2026-2027

कक्षा - 10 Punjabi विषय :- भाषा विषय समय : 3:15 घण्टे पूर्णांक-80

1. उद्देश्य हेतु अंक भार -

| योग्यताएं                  | उद्देश्य                                                    | अंक भार | प्रतिशत |
|----------------------------|-------------------------------------------------------------|---------|---------|
| जागरूकता<br>Awareness      | ज्ञान (Knowledge)                                           | 20      | 25.00   |
|                            | निर्माणात्मक समझ (Understanding of the Construct)           | 10      | 12.50   |
|                            | प्रक्रिया की समझ- (Understanding of the Process)            | 10      | 12.50   |
| संवेदनशीलता<br>Sensitivity | संघर्ष समाधान (Conflict Resolution)                         | 7       | 8.75    |
|                            | व्यापक/उदार मानसिकता (Open Mindedness)                      | 6       | 7.50    |
|                            | सहयोग/योगदान (Collaboration)                                | 7       | 8.75    |
| सृजनात्मकता<br>Creativity  | नवाधारी विचार उत्पन्न करना (Generate Innovative Ideas)      | 6       | 7.50    |
|                            | लचीलापन (Flexibility)                                       | 2       | 2.50    |
|                            | प्रवाहशीलता (Fluency)                                       | 2       | 2.50    |
|                            | अन्वेषण (Exploration)                                       | 4       | 5.00    |
|                            | विचारों एवं अवधारणाओं का मिलान (Combining Ideas & Concepts) | 5       | 7.50    |
| Total                      |                                                             | 80      | 100     |

2. प्रश्नों के प्रकार व अंकभार -

| समूह                                   | प्रश्नों का प्रकार                                                                                  | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रति प्रश्न | कुल अंक | प्रतिशत (अंको वग) | प्रश्न हल करने के लिए संगठित समय मिनटों में |
|----------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------|------------------|---------|-------------------|---------------------------------------------|
| अ                                      | वरतुनिष्ठ प्रश्न                                                                                    | 16                 | 1                | 16      | 20                | 16                                          |
| ब                                      | अतिलघूत्तरात्मक                                                                                     | 6                  | 2                | 12      | 15                | 12                                          |
| रा                                     | लघूत्तरात्मक                                                                                        | 8                  | 3                | 24      | 30                | 24                                          |
| द                                      | दीर्घोत्तरीय एवं चर्चा/प्रकरण, प्रस्ताव/विचार आधारित प्रश्न एवं पत्र लेखन/कहानी-लेखन/ई मेल लेखन आदि | 4                  | 4                | 16      | 20.0              | 86                                          |
|                                        | निबन्ध लेखन/लेख आदि                                                                                 | 2                  | 6                | 12      | 15.0              | 42                                          |
| योग                                    |                                                                                                     | 36                 |                  | 80      | 100               | 180                                         |
| प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित समय |                                                                                                     |                    |                  |         |                   | 15                                          |
| कुल समय                                |                                                                                                     |                    |                  |         |                   | 195                                         |

नोट:-प्रश्न पत्र निर्माता न्यूनतम दो केस आधारित(Case Based) प्रश्न अनिवार्य रूप से दें

3. प्रश्नों के उद्देश्य के आधार पर भारात्मक अनुपात -

| योग्यताएं/क्षमताएं | जागरूकता<br>Awareness | संवेदनशीलता<br>Sensitivity | सृजनात्मकता<br>Creativity |
|--------------------|-----------------------|----------------------------|---------------------------|
| प्रश्नों की संख्या | 18                    | 09                         | 09                        |
| प्रतिशत            | 50                    | 25                         | 25                        |

4. प्रश्नों के कठिनीय स्तर के आधार पर भारात्मक अनुपात -

| कठिनाई स्तर        | सरल | मध्यम | कठिन |
|--------------------|-----|-------|------|
| प्रश्नों की संख्या | 09  | 18    | 09   |
| प्रतिशत            | 25  | 50    | 25   |

**कक्षा 10वीं — पंजाबी**  
**6. इकाई एवं अध्यायवार अंकभार**

| क्र.सं. | पाठ्यक्रम के अनुसार इकाई एवं अध्याय विवरण | पाठ्यक्रम में निर्धारित अंकभार | प्रतिशत    |
|---------|-------------------------------------------|--------------------------------|------------|
| 1.      | अपठित गद्यांश                             | 10                             | 12.50      |
| 2.      | निबन्ध लेखन                               | 06                             | 7.50       |
| 3.      | प्रार्थना पत्र एवं चिट्ठी लेखन            | 04                             | 5.00       |
| 4.      | व्याकरण                                   | 13                             | 16.25      |
| 5.      | कविता (पाठ्यपुस्तक)                       | 20                             | 25.00      |
| 6.      | कहानी (पाठ्यपुस्तक)                       | 14                             | 17.50      |
| 7.      | निबन्ध (पाठ्यपुस्तक)                      | 13                             | 16.25      |
|         | <b>योग</b>                                | <b>80</b>                      | <b>100</b> |

| अवगत्य (AWARENESS) |        | संवेदनशीलता (SENSITIVITY) |           |           |           |             |           |           |           |             |           |           |           | रचनात्मकता (CREATIVITY) |           |           |           |             |           |           |           |             |           |           |           |             |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |
|--------------------|--------|---------------------------|-----------|-----------|-----------|-------------|-----------|-----------|-----------|-------------|-----------|-----------|-----------|-------------------------|-----------|-----------|-----------|-------------|-----------|-----------|-----------|-------------|-----------|-----------|-----------|-------------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|
| प्रश्न             |        | निर्वाचकता                |           |           |           | संवेदनशीलता |           |           |           | संवेदनशीलता |           |           |           | संवेदनशीलता             |           |           |           | संवेदनशीलता |           |           |           | संवेदनशीलता |           |           |           | संवेदनशीलता |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |           |
| क्र.सं.            | प्रश्न | संवेदनशील                 | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील   | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील   | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील               | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील   | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील   | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील   | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील | संवेदनशील |

1. (\*) आंतरिक विकल्प (29,30,31,32,33,34,35,36)

2. कोष्ठक के बाहर दी गई संख्या 'प्रश्न क्रमांक' है तथा कोष्ठक के अंदर की संख्या 'अंक' को दर्शाती है।

3. उक्त ब्ल्यू प्रिंट मॉडल प्रश्न पत्र का है जो प्रश्नों के प्रकारों को समझने की सुविधा मात्र के लिए है। मूल परीक्षा के प्रश्न पत्र का ब्ल्यू प्रिंट अलग हो सकता है।

# ਮਾਡਲ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੱਤਰ (MODEL PAPER)

ਸੈਕੰਡਰੀ ਪਰੀਖਿਆ 2027 (SEC.EXAM-2027)

ਵਿਸ਼ਾ - ਪੰਜਾਬੀ (PUNJABI)

ਸਮਾਂ - 3:15 ਘੰਟੇ

S-75-Punjabi(T. L.)

ਕੁਲ ਅੰਕ - 80

ਪਰੀਖਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਆਮ ਹਦਾਇਤਾਂ :-

1. ਪਰੀਖਿਆਰਥੀ ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੱਤਰ ਉੱਤੇ ਆਪਣੇ ਰੋਲ ਨੰਬਰ ਜ਼ਰੂਰ ਲਿਖਣ।
2. ਸਾਰੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਹੱਲ ਕਰਨੇ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹਨ। ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੱਤਰ ਵਿੱਚ ਕੁਲ 36 ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਚਾਰ ਖੰਡ ਹਨ। ਹਰੇਕ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਦੇ ਅੰਕ ਉਸ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਅੰਕਿਤ ਹਨ। ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨੰ 29 ਤੋਂ 36 ਤੱਕ ਆਂਤਰਿਕ ਵਿਕਲਪ ਹਨ।
3. ਖੰਡ (ੳ) ਵਸਤੂਨਿਸ਼ਠ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਹਨ। ਬਹੁਵਿਕਲਪੀ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਵਿੱਚ ਚਾਰ ਵਿਕਲਪ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣ ਕੇ ਉੱਤਰ ਪੁਸਤਿਕਾ ਵਿੱਚ ਉੱਤਰ ਲਿਖੋ। (ਅੰਕ - 16)
4. ਖੰਡ (ਅ) ਅਤਿ ਲਘੂਤਰ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਹਰ ਇਕ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਦਾ ਉੱਤਰ ਲਗਭਗ 20-30 ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿੱਚ ਲਿਖੋ। (ਅੰਕ - 12)
5. ਖੰਡ (ੲ) ਲਘੂਤਰਾਤਮਕ ਪ੍ਰਸ਼ਨ - ਹਰ ਇਕ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਦਾ ਉੱਤਰ 30-50 ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿੱਚ ਲਿਖੋ। (ਅੰਕ - 24)
6. ਖੰਡ (ਸ) ਦੀਰਘ ਉੱਤਰ ਪ੍ਰਸ਼ਨ - ਹਰ ਇਕ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਦਾ ਉੱਤਰ 100-150 ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿੱਚ ਲਿਖੋ।  
ਨਿਬੰਧਾਤਮਕ ਪ੍ਰਸ਼ਨ - ਹਰ ਇਕ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਦਾ ਉੱਤਰ 200-250 ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿੱਚ ਲਿਖੋ। (ਅੰਕ - 28)
7. ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਸੰਖਿਆ 26, 27 ਕੇਸ ਸਟੱਡੀ ਆਧਾਰਤ ਹਨ।
8. ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਲਿਖਦੇ ਸਮੇਂ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨੰਬਰ ਜ਼ਰੂਰ ਲਿਖੋ।
9. ਉੱਤਰ ਪੁਸਤਿਕਾ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੀ ਕਾਂਟ-ਛਾਂਟ ਨਾ ਕਰੋ, ਉਵਰ ਰਾਈਟਿੰਗ ਅਤੇ ਅਸੁੱਧ ਲਿਖਣ ਤੋਂ ਬਚੋ।
10. ਉੱਤਰ ਪੁਸਤਿਕਾ ਦੇ ਦੋਵੇਂ ਪਾਸੇ ਸਾਫ਼ ਅਤੇ ਸਪਸ਼ਟ ਲਿਖੋ।
11. ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੱਤਰ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਸੰਬੰਧੀ ਦਿੱਤੀ ਹਦਾਇਤ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨੀ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੈ।

## ਖੰਡ - ਓ

ਪ੍ਰਸ਼ਨ-1. ਖੁਰਾਸਾਨ ਖਸਮਾਨਾ ਕੀਆ ਸ਼ਬਦ ਦਾ ਰਚਨਾਕਾਰ ਕੌਣ ਹੈ ? (1)

(ੳ) ਸ਼ੇਖ ਫਰੀਦ (ਅ) ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ

(ੲ) ਭਾਈ ਗੁਰਦਾਸ ਜੀ (ਸ) ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਜੀ

ਪ੍ਰਸ਼ਨ-2. 'ਮੇਰੀ ਜਿੰਦੇ' ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਿਹੜਾ ਭਾਵ ਪ੍ਰਗਟ ਹੋਇਆ ਹੈ ? (1)

(ੳ) ਪਰਉਪਕਾਰ (ਅ) ਨਿਜੀ ਸੁਆਰਥ

(ੲ) ਇਕੱਲਤਾ ਦੀ ਚਾਹਤ (ਸ) ਨਿਮਰਤਾ

ਪ੍ਰਸ਼ਨ-3. ਗੁਰੂ ਰਾਮਦਾਸ ਜੀ ਰਚਿਤ 'ਲਾਵਾਂ' ਵਿੱਚ ਲਾਵਾਂ ਦਾ ਕ੍ਰਮ ਹੈ - (1)

(ੳ) ਤੀਜੀ-ਚੌਥੀ-ਪਹਿਲੀ-ਦੂਜੀ (ਅ) ਪਹਿਲੀ-ਦੂਜੀ-ਤੀਜੀ-ਚੌਥੀ

(ੲ) ਦੂਜੀ-ਪਹਿਲੀ-ਤੀਜੀ-ਚੌਥੀ (ਸ) ਚੌਥੀ-ਤੀਜੀ-ਦੂਜੀ-ਪਹਿਲੀ

ਪ੍ਰਸ਼ਨ-4. 'ਤੈਨੂੰ ਦਿਆਂ ਹੰਝੂਆਂ ਦਾ ਭਾੜਾ' ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਿਹੜੇ ਵਿਚਾਰ ਦੀ ਪੇਸ਼ਕਾਰੀ ਹੋਈ ਹੈ ? (1)

(ੳ) ਵਿਛੋੜੇ ਦਾ ਦਰਦ (ਅ) ਪਰਮਾਤਮਾ ਦੀ ਬੰਦਗੀ

(ੲ) ਸਹਿਯੋਗ ਦੀ ਭਾਵਨਾ (ਸ) ਮਿਲਾਪ ਦੀ ਖੁਸ਼ੀ

ਪ੍ਰਸ਼ਨ-5. 'ਫਰੀਦਾ ਜੋ ਤੈ ਮਾਰਨਿ ਮੁਕੀਆਂ' ਸਲੋਕ ਵਿਚ.....ਧਾਰਨ ਕਰਨ ਦਾ ਸੰਦੇਸ਼ (1)

ਮਿਲਦਾ ਹੈ -

(ੳ) ਕ੍ਰੋਧ (ਅ) ਅਹੰਕਾਰ

(ੲ) ਨਿਮਰਤਾ (ਸ) ਲਾਲਚ

ਪ੍ਰਸ਼ਨ-6. 'ਪਹੁਤਾ ਪਾਂਧੀ' ਕਹਾਣੀ ਅਨੁਸਾਰ ਪਹੁਤਾ ਪਾਂਧੀ ਤੋਂ ਕੀ ਭਾਵ ਹੈ ? (1)

(ੳ) ਭੁੱਲਿਆ ਹੋਇਆ ਮੁਸਾਫ਼ਿਰ (ਅ) ਪਹੁੰਚਿਆ ਹੋਇਆ ਮੁਸਾਫ਼ਿਰ

(ੲ) ਭਟਕਿਆ ਹੋਇਆ ਮੁਸਾਫ਼ਿਰ (ਸ) ਬੈਠਾ ਹੋਇਆ ਮੁਸਾਫ਼ਿਰ

ਪ੍ਰਸ਼ਨ-7. ਕਰਤਾਰੇ ਨੇ ਕਿੱਲੀ ਉੱਤੇ.....ਲਾਹੀ ਅਤੇ ਉਹਦੀ ਧਾਰ ਉੱਤੇ ਖੱਬੇ ਹੱਥ  
(1)  
ਦਾ ਗੂਠਾ ਫੇਰਿਆ ।

(ੳ) ਬੰਦੂਕ (ਅ) ਗੰਡਾਸੀ

(ੲ) ਛੁਰੀ (ਸ) ਤਲਵਾਰ

ਪ੍ਰਸ਼ਨ-8. ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਸਫਲਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨੀ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿਰਤ ਨਿਬੰਧ (1)  
ਅਨੁਸਾਰ ਉਸਨੂੰ ਕੀ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ?

(ੳ) ਦੁਜਿਆਂ 'ਤੇ ਨਿਰਭਰ ਰਹਿਣਾ (ਅ) ਕੰਮ ਤੋਂ ਬਚਣਾ

(ੲ) ਮਿਹਨਤ ਅਤੇ ਲਗਨ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰਨਾ (ਸ) ਕਿਸਮਤ ਦੇ ਭਰੋਸੇ ਰਹਿਣਾ

ਪ੍ਰਸ਼ਨ-9. ਅਰਾਵਲੀ ਪਰਬਤਮਾਲਾ ਦੀ ਪਹਾੜੀ ਦੇ ਸ਼ਿਖਰ ਉੱਤੇ.....ਦਾ ਕਿਲ੍ਹਾ ਬਣਿਆ ਹੋਇਆ  
(1)  
ਹੈ ?

(ੳ) ਜੈਸਲਮੇਰ (ਅ) ਚਿਤੌੜ

(ੲ) ਆਮੇਰ (ਸ) ਜੂਨਾਗੜ੍ਹ

ਪ੍ਰਸ਼ਨ-10. 'ਹੇਠ ਲਿਖਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਪੰਜਾਬੀ ਦੀ ਇੱਕ ਉਪਭਾਸ਼ਾ ਹੈ ? (1)

(ੳ) ਮਾਝੀ (ਅ) ਫਾਰਸੀ

(ੲ) ਉਰਦੂ (ਸ) ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ

ਪ੍ਰਸ਼ਨ-11. ਭਾਸ਼ਾ ਦੀ ਛੋਟੀ ਤੋਂ ਛੋਟੀ ਧੁਨੀਆਤਮਕ ਇਕਾਈ ਨੂੰ ਕੀ ਆਖਦੇ ਹਨ ? (1)

(ੳ) ਸ਼ਬਦ (ਅ) ਵਾਕ

(ੲ) ਅਰਥ (ਸ) ਧੁਨੀ

ਪ੍ਰਸ਼ਨ-12. 'ਕਲਮ' ਸ਼ਬਦ ਵਿੱਚ ਕਿੰਨੇ ਵਿਅੰਜਨਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਹੋਈ ਹੈ ? (1)

(ੳ) ਤਿੰਨ (ਅ) ਦੋ

(ੲ) ਇੱਕ (ਸ) ਚਾਰ

ਪ੍ਰਸ਼ਨ-13. ਪੰਜਾਬੀ ਦੀਆਂ ਛੋਟੀਆਂ ਲਗਾਂ ਨੂੰ 'ਹ੍ਰਸਵ' ਲਗਾਂ ਵੀ ਆਖਦੇ ਹਨ। 'ਹ੍ਰਸਵ' ਸ਼ਬਦ ਵਿੱਚ ਕਿਹੜੇ ਮੰਜੁਗਤ ਅੱਖਰ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਹੋਈ ਹੈ ? (1)

(ੳ) ਹ (ਅ) ਰ

(ੲ) ਸ (ਸ) ਵ

ਪ੍ਰਸ਼ਨ-14. 'ਮਿੱਤਰਤਾ' ਸ਼ਬਦ ਵਿੱਚ ਕਿਹੜੇ ਲਗਾਖਰ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ? (1)

(ੳ) ਬਿੰਦੀ (ਅ) ਟਿੱਪੀ

(ੲ) ਅਧਕ (ਸ) ਮੁਕਤਾ

ਪ੍ਰਸ਼ਨ-15. 'ਉਹਨਾਂ ਵਿੱਚ ਫੁੱਟ ਪੈ ਗਈ ਹੈ' - ਵਾਕ ਵਿੱਚ ਆਏ ਸ਼ਬਦ 'ਫੁੱਟ' ਦਾ ਵਿਰੋਧੀ ਹੈ - (1)

(ੳ) ਏਕਾ (ਅ) ਸਹਾਇਤਾ

(ੲ) ਸੇਵਾ (ਸ) ਦੋਸਤੀ

ਪ੍ਰਸ਼ਨ-16. 'ਉਦਮ' ਅਤੇ 'ਉਪਰਾਲਾ' ਸਮਾਨਾਰਥੀ ਸ਼ਬਦ ਹਨ । ਇਹਨਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਦਾ ਇੱਕ ਹੋਰ ਸਮਾਨਾਰਥੀ ਹੈ - (1)

(ੳ) ਸ਼ਲਾਘਾ (ਅ) ਚਾਅ

(ੲ) ਭਲਾਈ (ਸ) ਜਤਨ

ਖੰਡ - ਅ

(17-21) ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰੇ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਦਿਓ :-

ਸੰਕਟ ਦੇ ਸਮੇਂ ਜਦੋਂ ਦੋਸਤ-ਮਿੱਤਰ ਅਤੇ ਸਕੇ- ਸੰਬੰਧੀ ਵੀ ਸਾਥ ਛੱਡ ਜਾਂਦੇ ਹਨ, ਉਦੋਂ ਵੀ ਪੁਸਤਕਾਂ ਸਾਡੇ ਸੱਚੇ ਮਿੱਤਰ ਬਣਦੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਨਿਰਾਸ਼ਾ ਵਿੱਚੋਂ ਨਿਕਲਨ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਰਾਹ ਦਿਖਾਉਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਸੰਘਰਸ਼ ਭਰਿਆ ਜੀਵਨ ਜੀਉਣ ਵਾਲੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਜੀਵਨੀਆਂ ਅਤੇ ਸ੍ਵੈਜੀਵਨੀਆਂ ਪਾਠਕਾਂ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਦਾ ਸੋਮਾ ਬਣਦੀਆਂ ਹਨ। ਅਜਿਹੀਆਂ ਪੁਸਤਕਾਂ ਪੜ੍ਹਨ ਵਾਲੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਰੁਕਾਵਟਾਂ ਤੋਂ ਘਬਰਾਉਂਦੇ ਨਹੀਂ ਸਗੋਂ ਦ੍ਰਿੜ੍ਹਤਾ ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਉਦੇਸ਼ ਵੱਲ ਅੱਗੇ ਵਧਦੇ

ਹਨ ਅਤੇ ਮਿਥੀ ਹੋਈ ਮੰਜ਼ਲ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਦੇ ਹਨ।

17. ਉਪਰੋਕਤ ਪੈਰੇ ਦਾ ਢੁਕਵਾਂ ਸਿਰਲੇਖ ਲਿਖੋ। (2)

18. ਸੰਕਟ ਦੇ ਸਮੇਂ ਪੁਸਤਕਾਂ ਕੀ ਕੰਮ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ ? (2)

19. ਪਾਠਕਾਂ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਦਾ ਸੋਮਾ ਕੀ ਬਣਦਾ ਹੈ ? (2)

20. ਪੁਸਤਕਾਂ ਪੜ੍ਹਨ ਦਾ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਕੀ ਲਾਭ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ? (2)

21. ਪੈਰੇ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਪੁਸਤਕਾਂ ਪੜ੍ਹਨ ਦਾ ਕੋਈ ਇੱਕ ਫਾਇਦਾ ਦੱਸੋ। (2)

22. ਅੰਮ੍ਰਿਤਾ ਪ੍ਰੀਤਮ ਵਾਰਸ ਸ਼ਾਹ ਨੂੰ ਕਿਉਂ ਯਾਦ ਕਰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸਨੂੰ ਕੀ ਕਰਨ ਲਈ ਆਖਦੀ ਹੈ ? (2)

### ਖੰਡ-ੳ

23. ਧਰੂ ਭਗਤ ਦਾ ਮਨ ਵੈਰਾਗ ਕਿਵੇਂ ਧਾਰਨ ਕਰਦਾ ਹੈ ? 'ਧਰੂ ਹੱਸਦਾ ਘਰ ਆਇਆ' ਸ਼ਬਦ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵਿਆਖਿਆ ਕਰੋ। (3)

24. ਸੁਖੀ ਜੀਉਣ ਦੀ ਕੁੰਜੀ' ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਆਏ ਵਿਚਾਰਾਂ ਨੂੰ ਤਰਕ ਸਹਿਤ ਸਪਸ਼ਟ ਕਰਕੇ ਲਿਖੋ। (3)

25. ਮੀਆਂ ਵਜੀਦ ਦੇ ਕਿਹੜੇ ਸ਼ਲੋਕਾਂ ਵਿਚ ਹੰਕਾਰੀ ਮਨੁੱਖਾਂ ਦੀ ਦੁਰਦਸ਼ਾ ਦੇ ਇਤਿਹਾਸਕ ਹਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਚਿਤਰਨ ਹੈ ? ਵਰਣਨ ਕਰੋ। (3)

26. ਤੁਸੀਂ ਸੱਜਣ ਸਿੰਘ ਨਾਂ ਦੇ ਇੱਕ ਅਜਿਹੇ ਸ਼ਖ਼ਸ ਨੂੰ ਜਾਣਦੇ ਹੋ ਜੋ ਆਪਣੇ ਕੰਮ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਇਮਾਨਦਾਰੀ ਅਤੇ ਰੀਝ ਨਾਲ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਉਸ ਦੇ ਕਿੱਤੇ ਨੂੰ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਹੋਰ ਲੋਕ ਅਜਿਹਾ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਠੱਗਦੇ ਵੀ ਹਨ। ਪਰ ਸੱਜਣ ਸਿੰਘ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਮਿਹਨਤ ਦਾ ਵੀ ਪੂਰਾ ਫਲ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ ਅਤੇ ਉਹ ਕਠਿਨਾਈ ਭਰਿਆ ਜੀਵਨ ਬਤੀਤ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਸੰਘਰਸ਼ ਵਿੱਚ ਉਸਦਾ ਜੀਵਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮੁਸ਼ਕਲ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸਦਾ ਜੀਵਨ ਖ਼ਤਮ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

(i) ਸੱਜਣ ਸਿੰਘ ਆਪਣੇ ਕਿੱਤੇ ਨੂੰ ਕਿਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕਰਦਾ ਹੈ।

1+1+1  
=3

(ii) ਕੀ ਸੱਜਣ ਸਿੰਘ ਦਾ ਆਪਣੇ ਕੰਮ ਪ੍ਰਤੀ ਇਮਾਨਦਾਰ ਰਹਿਣਾ ਸਹੀ ਹੈ ?

(iii) ਜੇਕਰ ਤੁਸੀਂ ਸੱਜਣ ਸਿੰਘ ਦੀ ਥਾਂ 'ਤੇ ਹੁੰਦੇ ਤਾਂ ਕੀ ਕਰਦੇ ?

27. ਕਿਸੇ ਪਿੰਡ ਵਿੱਚ ਗੁਰਦੀਪ ਅਤੇ ਜਗਮੇਲ ਦੋਨੋਂ ਭਰਾ ਇਕੱਠੇ ਲੱਕੜ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ ।

ਗੁਰਦੀਪ ਸਾਰਾ ਦਿਨ ਕੰਮ ਵਿੱਚ ਲੱਗਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਜਦਕਿ ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ ਜਗਮੇਲ ਵਿਹਲਾ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ।

ਨਤੀਜੇ ਵਜੋਂ ਦੋਹਾਂ ਭਰਾਵਾਂ ਵਿੱਚ ਝਗੜਾ ਸ਼ੁਰੂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਜੋ ਇੱਕ ਦੂਜੇ ਨੂੰ ਨੀਵਾਂ ਦਿਖਾਉਣ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

1+1+1  
=3

(i) ਗੁਰਦੀਪ ਸਾਰਾ ਦਿਨ ਕੰਮ-ਕਾਰ ਵਿੱਚ ਰੁੱਝਾ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਕੀ-ਕੀ ਨੁਕਸਾਨ ਉਠਾਉਂਦਾ ਹੈ ?

(ii) ਦੋਹਾਂ ਭਰਾਵਾਂ ਦੇ ਝਗੜੇ ਦਾ ਕੀ ਨਤੀਜਾ ਨਿਕਲਦਾ ਹੈ ?

(iii) ਜੇਕਰ ਤੁਸੀਂ ਗੁਰਦੀਪ ਦੀ ਥਾਂ 'ਤੇ ਹੁੰਦੇ ਤਾਂ ਝਗੜੇ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਈ ਕੀ ਉਪਾਅ ਕਰਦੇ ?

28. ਸਾਂਝੀ ਕੰਧ ਦਾ ਝਗੜਾ ਕਿੰਨ੍ਹਾ ਵਿਚਕਾਰ ਸੀ ਅਤੇ ਪੰਚਾਇਤ ਨੇ ਉਸ ਝਗੜੇ ਨੂੰ ਕਿਵੇਂ (3)

ਮੁਕਾਇਆ ਸੀ ?

29. ਸੰਜੁਗਤ ਅੱਖਰ ਕਿਸ ਨੂੰ ਆਖਦੇ ਹਨ ? ਉਦਾਰਰਨਾਂ ਸਹਿਤ ਲਿਖੋ । (3)

ਜਾਂ

ਅਧਕ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਦੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਕਿਹੜੀਆਂ ਲਗਾਂ ਨਾਲ ਆ ਸਕਦਾ ਹੈ?

30. ਪੰਜਾਬੀ ਦੀਆਂ ਉਪਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਕਿਹੜੀਆਂ-ਕਿਹੜੀਆਂ ਹਨ? ਕੋਈ ਦੋ ਉਪਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਦੇ (3)

ਇਲਾਕਿਆਂ ਦੇ ਨਾਂ ਲਿਖੋ ।

ਜਾਂ

ਮਾਝੀ ਉਪਭਾਸ਼ਾ ਦੇ ਖੇਤਰ ਦਾ ਵਰਣਨ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਇਸਦੇ ਜਿਲ੍ਹਿਆਂ ਦੇ ਨਾਂ ਲਿਖੋ ।

ਖੰਡ - ਸ

31. ਮਨ ਤੂੰ ਜੋਤਿ ਸਰੂਪੁ ਹੈ ਆਪਣਾ ਮੂਲ ਪਛਾਣ ॥

ਮਨ ਹਰਿ ਜੀ ਤੇਰੈ ਨਾਲਿ ਹੈ ਗੁਰਮਤੀ ਰੰਗੁ ਮਾਣੁ ॥

ਮੂਲ ਪਛਾਣਹਿ ਤਾਂ ਸਹੁ ਜਾਣਹਿ ਮਰਣ ਜੀਵਣ ਕੀ ਸੋਝੀ ਹੋਈ ॥

1+2+1  
=4

ਗੁਰ ਪਰਸਾਦੀ ਏਕੋ ਜਾਣਹਿ ਤਾਂ ਦੁਜਾ ਭਾਉ ਨ ਹੋਈ ॥

- (i) ਉਪਰੋਕਤ ਕਾਵਿ ਸਤਰਾਂ ਦਾ ਪ੍ਰਸੰਗ ਲਿਖੋ।  
 (ii) ਉਪਰੋਕਤ ਕਾਵਿ ਬੰਦ ਦੀ ਸਰਲ ਵਿਆਖਿਆ ਕਰੋ।  
 (iii) ਔਖੇ ਸ਼ਬਦਾਂ ਦੇ ਅਰਥ ਲਿਖੋ -

ਮੂਲ, ਗੁਰਮਤੀ, ਸਹੁ, ਰੰਗੁ

ਜਾਂ

ਕਿੱਥੋਂ ਦਿਆਂ ਪੰਛੀਆਂ ਨੂੰ ਕਿੱਥੋਂ ਚੋਗਾ ਲੱਭਿਆ। ਧੀਆਂ ਦੇ ਵਸੇਬੇ ਲਈ ਬਾਪੂ ਦੇਸ਼ ਛੱਡਿਆ।  
 ਕਿੰਨਾ ਹੈ ਮਹਾਨ ਦੇਸ਼ ਉਦੋਂ ਪਤਾ ਲੱਗਿਆ। ਡੂੰਘਾ ਮੇਰੀ ਹਿੱਕ 'ਚ ਤਰੰਗਾ ਗਿਆ ਗੱਡਿਆ।

- (i) ਉਪਰੋਕਤ ਕਾਵਿ ਬੰਦ ਦਾ ਪ੍ਰਸੰਗ ਲਿਖੋ।  
 (ii) ਉਪਰੋਕਤ ਕਾਵਿ ਬੰਦ ਦੀ ਸਰਲ ਵਿਆਖਿਆ ਲਿਖੋ।  
 (iii) ਔਖੇ ਸ਼ਬਦਾਂ ਦੇ ਅਰਥ ਲਿਖੋ -

ਚੋਗਾ, ਵਸੇਬਾ, ਮਹਾਨ, ਡੂੰਘਾ

32. ਕਿਰਤ ਨਿਬੰਧ ਵਿੱਚ ਆਏ ਵਿਚਾਰਾਂ ਦਾ ਆਪਣੇ ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿਚ ਵਰਣਨ ਕਰੋ। (4)

ਜਾਂ

ਭਾਈ ਮਰਦਾਨਾ ਜੀ ਨਿਬੰਧ ਬਾਰੇ ਸੰਖੇਪ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਵਰਣਨ ਕਰੋ।

33. ਗੰਗ ਨਹਿਰ ਉੱਪਰ ਸੰਖੇਪ ਟਿੱਪਣੀ ਦਿਓ। ਗੰਗਾ ਸਿੰਘ ਦੇ ਰਾਜ ਸਮੇਂ ਆਵਾਜਾਈ ਦੇ ਸਾਧਨਾਂ ਦੀ ਕੀ ਸਥਿਤੀ ਸੀ ?

$2+2$   
 $=4$

ਜਾਂ

ਮਿਲਖਾ ਸਿੰਘ ਏਸ਼ੀਆ ਦਾ ਬੈਸਟ ਐਥਲੀਟ ਕਿਵੇਂ ਤੇ ਕਦੋਂ ਬਣਿਆ? ਉਸਨੂੰ 'ਫਲਾਇੰਗ ਸਿੱਖ' ਦੀ ਉਪਾਧੀ ਕਦੋਂ ਤੇ ਕਿਵੇਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਈ ?

34. ਆਪਣੇ ਸਕੂਲ ਦੇ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਨੂੰ ਲਾਇਬ੍ਰੇਰੀ ਨੂੰ ਸੁਚਾਰੂ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਚਲਾਉਣ ਲਈ ਬਿਨੈ-ਪੱਤਰ ਲਿਖੋ। (4)

ਜਾਂ

ਆਪਣੇ ਮਿੱਤਰ ਜਾਂ ਸਹੇਲੀ ਨੂੰ ਚਿੱਠੀ ਲਿਖੋ ਕਿ ਉਹ ਖੇਡਾਂ ਅਤੇ ਪੜ੍ਹਾਈ ਵਿੱਚ ਬਰਾਬਰ ਧਿਆਨ ਦੇਵੇ।

35. 'ਪੇਮੀ ਦੇ ਨਿਆਣੇ' ਕਹਾਣੀ ਦਾ ਸਾਰ ਆਪਣੇ ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿੱਚ ਲਿਖੋ।

(6)

ਜਾਂ

'ਖੂਨ' ਕਹਾਣੀ ਦਾ ਸਾਰ ਆਪਣੇ ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿੱਚ ਲਿਖੋ।

36. ਹੇਠ ਦਿੱਤਿਆਂ ਵਿੱਚੋਂ ਕਿਸੇ ਇੱਕ ਵਿਸ਼ੇ ਉੱਤੇ ਨਿਬੰਧ ਲਿਖੋ।

(i) ਡਾ. ਭੀਮ ਰਾਓ ਅੰਬੇਡਕਰ

2+2+2  
=6

- ਜਮਨ ਅਤੇ ਵਿੱਦਿਆ
- ਉੱਚ ਸਿੱਖਿਆ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਅਤੇ ਕੰਮ-ਕਾਰ
- ਆਜ਼ਾਦੀ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ ਅਤੇ ਸਿੱਟਾ

(ii) ਅੱਖੀਂ ਡਿੱਠਾ ਮੇਲਾ

- ਮੇਲੇ ਬਾਰੇ ਸਧਾਰਨ ਜਾਣਕਾਰੀ
- ਤੁਹਾਡਾ ਮੇਲੇ ਨੂੰ ਉਡੀਕਣਾ ਅਤੇ ਮੇਲੇ ਦਾ ਦਿਨ
- ਤੁਸੀਂ ਕਿਵੇਂ ਮੇਲਾ ਦੇਖਿਆ ਅਤੇ ਮੇਲੇ ਦੀ ਸਪਾਪਤੀ

(iii) ਭਰੂਣ-ਹੱਤਿਆ

- ਸਧਾਰਨ ਜਾਣਕਾਰੀ ਅਤੇ ਲਿੰਗ ਪਛਾਣ
- ਭਾਰਤੀ ਸਮਾਜ ਵਿੱਚ ਔਰਤ ਦਾ ਮਹੱਤਵ ਅਤੇ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ
- ਸਮੱਸਿਆ ਦਾ ਹੱਲ ਕਿਵੇਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਸਿੱਟਾ

(iv) ਕੰਪਿਊਟਰ

- ਵਿਗਿਆਨਕ ਖੋਜਾਂ ਬਾਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਅਤੇ ਕੰਪਿਊਟਰ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ
- ਕੰਪਿਊਟਰ ਦੇ ਭਾਗ ਅਤੇ ਕੰਮ-ਕਾਰ (ਫ਼ਾਇਦੇ)
- ਕੰਪਿਊਟਰ ਦੀ ਦੁਰਵਰਤੋਂ ਅਤੇ ਸਿੱਟੇ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਮਹੱਤਵ

# ਓਤਰ ਮਾਲਾ (उत्तर माला)

| ਕ੍ਰ.ਸੰ.          | ਅਪੇਖਿਤ ਉਤਰ                        | ਅੰਕ<br>ਵਿਭਾਜਨ | ਪਾਠਪੁਸਤਕ<br>ਕੀ ਪ੍ਰਥਮਸੰਖਯਾ |
|------------------|-----------------------------------|---------------|---------------------------|
| <b>ਖੰਡ - (ੳ)</b> |                                   |               |                           |
| 1                | (ਸ) ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਜੀ              | 1             | 107                       |
| 2                | (ਅ) ਇਕੱਲਤਾ ਦੀ ਚਾਹਤ                | 1             | 38-39                     |
| 3                | (ੲ) ਪਹਿਲੀ - ਦੂਜੀ - ਤੀਜੀ- ਚੌਥੀ     | 1             | 16                        |
| 4                | (ੳ) ਵਿਛੋੜੇ ਦਾ ਦਰਦ                 | 1             | 64-65                     |
| 5                | (ਅ) ਨਿਮਰਤਾ                        | 1             | 03                        |
| 6                | (ੲ) ਪਹੁੰਚਿਆ ਹੋਇਆ ਮੁਸਾਫਰ           | 1             | 117                       |
| 7                | (ਸ) ਤਲਵਾਰ                         | 1             | 147                       |
| 8                | (ਅ) ਮਿਹਨਤ ਅਤੇ ਲਗਨ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰਨਾ    | 1             | 78                        |
| 9                | (ੲ) ਚਿਤੌੜ                         | 1             | 105                       |
| 10               | (ੳ) ਮਾੜੀ                          | 1             | -                         |
| 11               | (ਸ) ਧੁਨੀ                          | 1             | -                         |
| 12               | (ੳ) ਤਿੰਨ                          | 1             | -                         |
| 13               | (ੲ) ਰ                             | 1             | -                         |
| 14               | (ਅ) ਅਧਕ                           | 1             | -                         |
| 15               | (ੳ) ਏਕਾ                           | 1             | -                         |
| 16               | (ਸ) ਜਤਨ                           | 1             | -                         |
| <b>ਖੰਡ - (ਅ)</b> |                                   |               |                           |
| 17               | ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਪੈਰੇ ਦੀ ਸਮਝ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ | 2             | -                         |
| 18               | ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਪੈਰੇ ਦੀ ਸਮਝ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ | 2             | -                         |
| 19               | ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਪੈਰੇ ਦੀ ਸਮਝ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ | 2             | -                         |

# ਉੱਤਰ ਮਾਲਾ (उत्तर माला)

| ਕ੍ਰ.ਸੰ. | ਅਪੇਖਿਤ ਉੱਤਰ                                                 | ਅੰਕ<br>ਵਿਭਾਜਨ | ਪਾਠਪੁਸਤਕ<br>ਕੀ ਪ੍ਰਥਮਸੰਖਯਾ |
|---------|-------------------------------------------------------------|---------------|---------------------------|
| 20      | ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਪੈਰੇ ਦੀ ਸਮਝ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ                           | 2             | -                         |
| 21      | ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਪੈਰੇ ਦੀ ਸਮਝ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ                           | 2             | -                         |
| 22      | ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਦੇ ਬੋਧ ਅਤੇ ਭਾਵ ਅਨੁਸਾਰ<br>ਖੰਡ-ੳ            | 2             | 57                        |
| 23      | ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਕਵਿ ਦੇ ਭਾਵਾਂ ਦੀ ਸਮਝ ਅਨੁਸਾਰ                      | 3             | 20                        |
| 24      | ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਕਵਿ ਦੇ ਭਾਵਾਂ ਦੀ ਸਮਝ ਅਨੁਸਾਰ                      | 3             | 43-44                     |
| 25      | ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਕਵਿ ਦੇ ਭਾਵਾਂ ਦੀ ਸਮਝ ਅਨੁਸਾਰ                      | 3             | 43-44                     |
| 26      | ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਰਚਨਾਤਮਕ ਯੋਗਤਾ ਅਤੇ ਕਲਪਨਾ ਸ਼ਕਤੀ ਅਨੁਸਾਰ            | 3             | -                         |
| 27      | ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਰਚਨਾਤਮਕ ਯੋਗਤਾ ਅਤੇ ਕਲਪਨਾ ਸ਼ਕਤੀ ਅਨੁਸਾਰ            | 3             | -                         |
| 28      | ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਕਹਾਣੀ ਦੀ ਘਟਨਾ ਦੀ ਸਮਝ ਅਨੁਸਾਰ                     | 3             | 129                       |
| 29      | ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਵਿਆਕਰਨ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ ਦੀ ਯੋਗਤਾ ਅਨੁਸਾਰ                | 3             | -                         |
| 30.     | ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਉਪਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਦੇ ਖੇਤਰ ਦੀ ਸਮਝ ਅਨੁਸਾਰ ।<br>ਖੰਡ-ਸ     | 3             |                           |
| 31.     | ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਦੇ ਭਾਵਾਂ ਦੀ ਸਮਝ ਅਨੁਸਾਰ ।                  | 1+2<br>+1=4   |                           |
| 32.     | ਪਾਠ ਪੁਸਤਕ ਵਿਚ ਦਿੱਤੇ ਨਿਬੰਧਾ ਵਿਚ ਆਏ ਵਿਚਾਰਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ।        | 4             |                           |
| 33.     | ਪਾਠ ਪੁਸਤਕ ਵਿਚ ਦਿੱਤੇ ਨਿਬੰਧਾ ਵਿੱਚ ਆਏ ਵਿਚਾਰਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ।       | 2+2<br>=4     |                           |
| 34.     | ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਚਿੱਠੀ-ਪੱਤਰ ਰਚਨਾ ਦੀ ਸਮਝ ਅਨੁਸਾਰ                   | 4             |                           |
| 35.     | ਪਾਠ ਪੁਸਤਕ ਵਿਚ ਦਰਜ ਕਹਾਣੀ ਦੇ ਵਿਸ਼ਾ ਵਸਤੂ, ਸਾਰ ਦੀ ਸਮਝ<br>ਅਨੁਸਾਰ | 6             |                           |
| 36.     | ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀ ਨਿਬੰਧ ਰਚਨਾ ਦੀ ਸਮਝ, ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ ਅਨੁਸਾਰ             | 2+2<br>+2=6   |                           |